भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.1060

(जिसका उत्तर सोमवार, 2 दिसंबर, 2024/11 अग्रहायण, 1946(शक) को दिया जाना है)

प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए प्रोत्साहन

1060. श्री मनीश तिवारी:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार के पास अंतर्राष्ट्रीय लेन-देन हेतु सुरक्षित हार्बर मार्जिन हेतु आवेदन करने हेतु किसी तकनीकी कंपनी के लिए 200 करोड़ रुपए की वर्तमान सीमा को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार की प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उभरने वाली कंपनियों और स्टार्टअप्स के लिए नए कर प्रोत्साहन या लाभ शुरू करने की कोई योजना है; और
- (ग) सरकार द्वारा देश में प्रौद्योगिकी उद्योग की वृद्धि और विकास को सुनिश्चित करने के लिए किए गए/किए जाने वाले विशिष्ट उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री
(श्री पंकज चौधरी)

- (क) फिलहाल, किसी तकनीकी कंपनी के लिए अंतरराष्ट्रीय लेनदेन हेतु सुरक्षित हार्बर मार्जिन की सीमा बढ़ाने का कोई विशिष्ट प्रस्ताव नहीं है। हालांकि, सरकार ने बजट भाषण, 2024 के पैराग्राफ 151 में घोषणा की है कि मुकदमेबाजी को कम करने और अंतरराष्ट्रीय कराधान में निश्चितता प्रदान करने के उद्देश्य से सुरक्षित हार्बर नियमों के दायरे का विस्तार किया जाएगा ताकि उन्हें और अधिक आकर्षक बनाया जा सके।
- (ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80-आईएसी के अंतर्गत स्टार्ट-अप्स को कर प्रोत्साहन या लाभ पहले से ही प्रदान किये गए हैं। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में स्टार्ट-अप्स और उभरती कंपनियों के लिए नए कर प्रोत्साहन या लाभ का कोई प्रस्ताव नहीं है।
- (ग) देश में प्रौद्योगिकी उद्योग की वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विशिष्ट उपाय निम्नलिखित हैं –
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी विकास में सहायता की है। साथ ही, प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर्स ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप्स को तकनीकी उद्योग क्षेत्र में छोटे व्यवसाय शुरू करने में सहायता की है।
  - इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय, भारत सरकार देश भर में आईटी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और आईटी उद्योग के विकास के लिए कई योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं। आज भारत को दुनिया भर में आईटी हब के रूप में जाना जाता है। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपी) इस प्रयास में सबसे महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है। इस योजना के अंतर्गत, भारत भर के 65 शहरों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थापित किए गए हैं, जिनमें टियर-2 और टियर-3 शहरों में 57 केंद्र हैं। एसटीपी केंद्र इनक्यूबेटर सुविधा प्रदान करते हैं जो उद्यमियों के अपने अभिनव विचारों को स्टार्ट-अप्स में बदलने में मदद करते हैं। इनक्यूबेटर सुविधा वेंचर कैपिटलिस्ट सरीखे निविशकों, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) / राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईटी) के परामर्शदाताओं के साथ मुलाकात/उद्योग तथा आईटी पेशेवरों आदि के साथ नेटवर्किंग का अवसर प्रदान करती है।

*****